असली आज़ादी ■ वर्ष: 21, अंक: 230 ■ दमण, मंगलवार 02, जून 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन

द्वारा

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी

का हार्दिक स्वागत है।

दिनांक: शुक्रवार, 5 जून 2026 | समय: सायं 5:00 बजे से

: सार्वजनिक कार्यक्रम स्थल :

स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स ग्राउंड, दमण

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री प्रफुल पटेल
माननीय प्रशासक
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव और लक्षद्वीप

₹2,970 करोड़

की लागत से 56 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा के सोशल मीडिया, मीडिया एवं आईटी सेल की आयोजित हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा द्वारा आज प्रदेश कार्यालय नानी दमण में सोशल मीडिया, मीडिया एवं आईटी सेल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल तथा प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 5 जून 2026 को प्रस्तावित दमण यात्रा के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।इस बैठक के दौरान प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया, मीडिया एवं आईटी के माध्यम से संगठन के कार्यों तथा प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही सभी को समन्वित रूप से कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आ''ान किया। बैठक में प्रदेश मीडिया कन्वीनर मजीद लधानी, प्रदेश सोशल मीडिया कन्वीनर आशीष पटेल, प्रदेश आईटी सेल कन्वीनर रामकृष्ण देसाई, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल सहित जिला एवं विभिन्न मोर्चों के सोशल मीडिया कन्वीनर एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी की जनसभा के लिए लोगों को किया आमंत्रित

परियारी और दमणवाड़ा के जनप्रतिनिधियों का अनोखा प्रयास, साइकिल से किया जन संपर्क

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 जून को दमण दौरे को सफल बनाने के लिए परियारी और दमणवाड़ा ग्राम पंचायतों ने मिलकर साइकिल से लोगों के मोहल्लों तक पहुंचकर जनसभा में उपस्थित होने हेतु उन्हें बुलाने का एक नया प्रयोग शुरू किया है। आज दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल, परियारी ग्राम पंचायत के सरपंच भाविक हलपति, दमणवाड़ा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य मुकेश गोसावी और दमणवाड़ा सरपंच कल्पना हलपति के नेतृत्व में परियारी के अलग-अलग खास गांवों, बस्तियों और जगहों पर साइकिल से जाकर लोगों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों में आने का न्योता दिया गया। जिसमें दमणवाड़ा ग्राम पंचायत के डिप्टी सरपंच और दमण जिला युवा भाजपा अध्यक्ष मिलन रायचंद पटेल, परियारी ग्राम पंचायत के डिप्टी सरपंच राजेश पटेल, पंचायत सचिव जिग्नेश पटेल के साथ-साथ ग्राम पंचायतों के चुने हुए सदस्य, गांववाले और नेता भी शामिल हुए। परियारी ग्राम पंचायत के सरपंच भाविक हलपति ने मोटी दमण के ज़्यादातर लोगों से प्रधानमंत्री का कर्ज़ उतारने की अपील की, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 हज़ार करोड़ से ज़्यादा के विकास कामों का उद्घाटन और शिलान्यास करने वाले है। उन्होंने असेंबली हॉल में प्रशासन की तरफ़ से किए गए इंतज़ामों की भी जानकारी दी और बताया कि गर्मी से राहत देने के लिए असेंबली हॉल में जगह-जगह स्प्रिंकलर (ठंडा करने वाले फव्वारे) लगाए गए हैं।

दमण ज़िला पंचायत के अध्यक्ष धरम पटेल ने कहा कि मोदी सरकार ने दमण सहित पूरे इलाके के लोगों के लिए हेल्थ और एजुकेशन समेत वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं भी बनाई हैं और सभी को प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद रहने का न्योता दिया।

दमणवाड़ा ज़िला पंचायत सदस्य मुकेश गोसावी ने प्रधानमंत्री और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन का ऋण चुकाने के लिए 5 जून को किसी शादी या त्योहार में दिखाए जाने वाले जोश से भी ज़्यादा जोश के साथ असेंबली हॉल में आने की अपील की और मोटी दमण के बदलाव के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया, दमण ज़िला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल भी जम्पोर चार रास्ता में शामिल हुए और गाइडेंस भी दिया। कल दमणवाड़ा ग्राम पंचायत एरिया में संपर्क करने का प्रोग्राम रखा गया है।

पीएम मोदी के दमण आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान के नेतृत्व में

प्रदेश सोशल मीडिया एवं आईटी सेल के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया से की शिष्टाचार मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। पीएम मोदी के आगामी दमण आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए आज दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सोशल मीडिया एवं आईटी सेल के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया से शिष्टाचार मुलाकात की। इस बैठक में डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए जनता तक कार्यक्रम की पल-पल की जानकारी पहुँचाने और युवाओं को जोड़ने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया द्वारा युवा ब्रिगेड के जोश और उत्साह को बढ़ाने के लिए विशेष टी-शर्ट और कैप भी प्रदान की गई। यह युवा ब्रिगेड प्रधानमंत्री जी के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार और ऊर्जावान है।

आटियावाड ग्राम पंचायत सरपंच सुनीता पटेल की अध्यक्षता में चाल मालिकों के साथ हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। आटियावाड ग्राम पंचायत में आज सरपंच सुनीता पटेल के नेतृत्व में चाल मालिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान आगामी 5 जून 2026 को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित आगमन के अवसर पर उनके भव्य स्वागत और सत्कार के लिए सभी को आमंत्रण दिया गया। इस बैठक में जिला पंचायत सदस्य धनसुख पटेल, पंचायत सदस्यों, बड़ी संख्या में चाल मालिकों और ग्रामजनो की उपस्थिति रही। सरपंच सुनीता पटेल ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का आगमन ग्राम पंचायत और पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण होगा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे एकजुट होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रधानमंत्री जी के स्वागत हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया। चाल मालिकों ने अपने-अपने स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया और ग्रामजनों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर यह तय किया गया कि ग्राम पंचायत और स्थानीय समाज मिलकर प्रधानमंत्री जी के स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, स्वागत समारोह और जनभागीदारी को प्रमुखता दी जाएगी। बैठक का वातावरण उत्साह और एकता से परिपूर्ण रहा। सभी ने यह संकल्प लिया कि प्रधानमंत्री जी की यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस प्रकार आंटियावाड़ ग्राम पंचायत की बैठक ने ग्रामजनों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है, जो आगामी कार्यक्रम की सफलता का आधार बनेगा।

सेव ह्यूमन लाइफ सिलवासा के द्वारा आयोजित रक्तदान कैंप में नमो नर्सिंग कॉलेज, सिलवासा की एनएसएस वॉलिंटियर कु. रोशन द्वारा प्रथम रक्तदान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। सेव ह्यूमन लाइफ सिलवासा, इंडियन रेड क्रॉस सिलवासा तथा रक्तदान केंद्र, वलसाड के संयुक्त उपक्रम से सिलवासा के प्रमुख गार्डन क्लब हाउस में दिनांक 31 मई को रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नमो नर्सिंग कॉलेज, सिलवासा की एनएसएस वॉलिंटियर कु. रोशन मरियम अब्राहम, जो नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं और प्रथम बार रक्तदान कर अपने व्यावसायिक एवं सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट निर्वहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य एनएसएस अधिकारी गौरांग वोरा ने इस सराहनीय कार्य हेतु कु. रोशन को अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं। उन्होंने नमो नर्सिंग कॉलेज द्वारा एनएसएस की जनजागृति गतिविधियों के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कॉलेज प्रबंधन एवं कार्यक्रम अधिकारी नम्रता के प्रयासों की सराहना की। प्रदेश के विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारी संगठनों के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से भी रक्तदाता इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागी बने, जिसके परिणामस्वरूप कुल 229 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सेव ह्यूमन लाइफ सिलवासा के कार्यकर्ताओं, इंडियन रेड क्रॉस सिलवासा तथा रक्तदान केंद्र, वलसाड के डॉक्टरों एवं उनकी टीम ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने हेतु अथक परिश्रम किया।

''रक्तदान महादान है, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। वर्तमान समय में रक्त केंद्रों में रक्त की भारी कमी बनी हुई है। ऐसे में इस प्रकार के रक्तदान शिविर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं प्रदेश के सभी युवाओं, स्वयंसेवकों तथा समाज के जागरूक नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे स्वैच्छिक रक्तदान जैसे नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दें। गौरांग वोरा, राज्य एनएसएस अधिकारी, दादरा नगर हवेली एवं दमण तथा दीव के प्रथम बार रक्तदान करना मेरे लिए गर्व और संतोषजनक अनुभव रहा। एक नर्सिंग छात्रा होने के नाते मैंने हमेशा सेवा और मानवता के मूल्यों को समझा है। रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में योगदान देना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं सभी युवाओं से अपील करती हूँ कि वे निडर होकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करें।

पीएम नरेंद्र मोदी के दमण आगमन के उपलक्ष्य में भीमपोर ग्राम पंचायत ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दमण आगमन के उपलक्ष्य में भीमपोर ग्राम पंचायत द्वारा विशाल वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन किया गया। सरपंच उदय पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों, युवाओं, महिलाओं तथा पंचायत सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 200 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया, जो भीमपोर को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल गांव बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भीमपोर ग्राम पंचायत ने कुल 1000 वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है, जिसके प्रथम चरण के रूप में इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र में वृद्धि, भूजल संवर्धन तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। इस अवसर पर सरपंच उदय पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए पर्यावरण संरक्षण के संदेश एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित होकर भीमपोर ग्राम पंचायत हरित भीमपोर के निर्माण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ग्राम पंचायत ने सभी ग्रामवासियो, स्वयंसेवकों, युवाओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

दीव जिला प्रशासन ने मानसून के दौरान सुरक्षा कारणों से पर्यटकों, मछुआरों और नागरिकों को समुद्र से दूर रहने का आदेश जारी किया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 01 जून। दीव जिले में आने वाले पर्यटकों और विदेशियों के साथ-साथ स्थानीय लोग और मछुआरे दीव जिले के सभी समुद्र तटों पर तैरने, नहाने, मछली पकड़ने और सेल्फी लेने के लिए बड़ी संख्या में समुद्र में उतरते हैं। साथ ही दीव जिले के समुद्र तटों पर तैरने, नहाने और सेल्फी लेने के दौरान पर्यटकों के समुद्र में डूबने की खबरें आई हैं। चालू मानसून के के कारण समुद्र अशांत और जोखिम भरा है। इस कारण पर्यटकों, स्थानीय लोगों और मछुआरों को दीव जिले के सभी समुद्र तटों पर तैरने, नहाने, मछली पकड़ने और सेल्फी लेने की अनुमति देने से जानमाल के नुकसान की आशंका है । अतः मानव जीवन की सुरक्षा हेतु दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश श्री राहुल देव बूरा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के अंतर्गत के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश पारित करते हुए निर्देश जारी किया गया है कि किसी भी पर्यटक, स्थानीय नागरिक और मछुआरे को दीव जिले के सभी समुद्र तटों पर तैरने, नहाने, मछली पकड़ने और सेल्फी लेने के लिए समुद्र में जाने की अनुमति नहीं है ताकि मानव जीवन को खतरे में डालने वाली डूबने की घटनाओं को रोका जा सके। मछली पकड़ने के इस समान प्रतिबंध से क्षेत्रीय जल में लगाए गए पारंपरिक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को छूट दी गई है। हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर ये पारंपरिक नौकाएं केवल 5 समुद्री मील तक के सीमित दायरे में ही संचालित हो सकेंगी। यह आदेश 01/06/2026 से 30/07/2026 तक तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंड का भागी होगा।

आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ़्त इलाज से जिंदगी में नई उम्मीद

गॉलब्लैडर सर्जरी और मुफ़्त इलाज का फ़ायदा मिलने पर प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर शुक्रिया अदा किया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 01 जून। कच्छ ज़िले के आदिपुर शहर के रहने वाले श्री मोहनभाई गोविंदभाई माहेश्वरी ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर आयुष्मान भारत झ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मिले मुफ़्त इलाज के लिए शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने भावुक होकर लिखी इस चिट्ठी में कहा है कि उनके पिता श्री गोविंदभाई माहेश्वरी को गॉलब्लैडर की समस्या की वजह से मेडिकल इलाज और सर्जरी की ज़रूरत थी। यह इलाज और ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड के ज़रिए भुज के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में मुफ़्त में हुआ। वे इस स्कीम से बहुत खुश हैं क्योंकि उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में अच्छी हेल्थ सर्विस मिल रही है। मोहनभाई ने भारत सरकार की इस स्कीम को आम और मिडिल क्लास परिवारों के लिए वरदान बताया है और स्कीम के बड़े फ़ायदों की तारीफ़ करते हुए, उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री और इस स्कीम से जुड़े सभी कर्मचारियों को दिल से बधाई और शुक्रिया अदा किया है। अपनी चिट्ठी में उन्होंने कहा है कि आयुष्मान भारत योजना गरीब और ज़रूरतमंद परिवारों के लिए हेल्थ सिक्योरिटी का एक मज़बूत कवच बन गई है। उनके लिखे इस धन्यवाद पत्र से यह साफ़ होता है कि आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों परिवारों को अच्छी हेल्थ सर्विस देने में असरदार साबित हो रही है। साथ ही, केंद्र सरकार की यह हेल्थ स्कीम देश के करोड़ों नागरिकों को हेल्थ सिक्योरिटी देकर सबको साथ लेकर चलने वाले विकास के लक्ष्य को पूरा कर रही है। श्री मोहनभाई ने चिट्ठी के ज़रिए प्रधानमंत्री को बधाई दी है और यह भी उम्मीद जताई है कि गरीब परिवारों को इस स्कीम का फ़ायदा मिलता रहे और 2047 में पूरा देश स्वर्ण भारत बने।

दमण राणा स्ट्रीट में डीएमसी की टीम ने महिलाओं को पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल, काउंसिलरों में सिंपल टंडेल, प्रविणा राणा, नीला राणा, भाविका टंडेल, कपिला ओड ने पीएम मोदी के यात्रा की दी जानकारी

दमण। दमण शहर में पीएम मोदी की यात्रा को लेकर डीएमसी की टीम विभिन्न स्थानों पर जनता से रूबरू मुलाकात कर कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दे रही है। आज इसी क्रम में डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल, काउंसिलरों में सिंपल टंडेल, प्रविणा राणा, नीला राणा, भाविका टंडेल, कपिला ओड ने राणा स्ट्रीट में महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें 5 जून को होने वाले पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए विधिवत आमंत्रण दिया।

भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ी, अब वैध पहचान पत्र के बिना नहीं मिलेगा नेपाल में प्रवेश

किशनगंज, (ईएमएस)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी बढ़ा दी है। नए निर्देशों के तहत अब बिना वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट या किसी अन्य वैध सरकारी पहचान पत्र के नेपाल सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित गलगलिया बॉर्डर पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल भारत-नेपाल सीमा से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। इसलिए सुरक्षा कारणों और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सीमा जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया गया है। अब सीमा पार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पहचान पत्र और यात्रा संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

केवल आधार कार्ड से नहीं मिलेगी अनुमति

अधिकारियों के मुताबिक, अब केवल आधार कार्ड दिखाकर नेपाल जाने या वहां से भारत आने की अनुमति नहीं होगी। यात्रियों के पास वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट या अन्य मान्य सरकारी पहचान पत्र होना अनिवार्य है। यदि किसी व्यक्ति के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए जाते हैं, तो उसे सीमा पार करने से रोक दिया जाएगा।

संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हाल के दिनों में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा सीमा क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और सुरक्षा बलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ, तस्करी या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को रोका जा सके।

यात्रियों और व्यापारियों से की गई अपील

प्रशासन ने आम नागरिकों, व्यापारियों, पर्यटकों और सीमा क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि नेपाल की यात्रा के दौरान अपने साथ वैध पहचान पत्र अवश्य रखें। इससे जांच के समय किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और यात्रा सुगम बनी रहेगी।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह नई व्यवस्था भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ-साथ अवैध आवागमन पर प्रभावी रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बहरहाल सीमा पर बढ़ाई गई सख्ती के बाद यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर लें, ताकि उन्हें सीमा पर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पुलिस कस्टडी में मौत मामले में डॉक्टर समेत तीन दोषी करार

वाराणसी,(ईएमएस)। वाराणसी की विशेष भ्रष्टाचार निवारण अदालत ने 29 वर्ष पुराने चर्चित पुलिस कस्टडी मौत मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दो सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और एक चिकित्सक को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विशेष न्यायाधीश अमित कुमार तिवारी की अदालत ने सेवानिवृत्त दरोगा नरेंद्र प्रताप सिंह, राधेश्याम सिंह तथा पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. के.के. जैन को विभिन्न धाराओं में दोषी पाया। अदालत ने डॉ. जैन को पांच वर्ष के कठोर कारावास और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं नरेंद्र प्रताप सिंह को 10 वर्ष के कारावास और 31 हजार रुपये जुर्माने तथा राधेश्याम सिंह को छह माह के कारावास और एक हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई। मामला 29 साल पहले पुलिस हिरासत में हुई एक व्यक्ति की मौत से जुड़ा था, जिसे कथित तौर पर आत्महत्या के रूप में दर्शाने का प्रयास किया गया था। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर दोष सिद्ध माना। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दोषियों से वसूले गए जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि मृतक के परिजनों को मुआवजे के रूप में दी जाए।

मई के महीने में पिछले साल के मुकाबले जीएसटी कलेक्शन में 3 फीसदी से ज्यादा का इजाफा

नई दिल्ली(ईएमएस)। मई में सामान और सेवाओं की बेहतर सप्लाई और इंपोर्ट से होने वाले कलेक्शन में लगातार बढ़ोतरी के कारण, कुल जीएसटी कलेक्शन 3।2 प्रतिशत बढक़र 1.94 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा हो गया। मई 2025 में कुल जीएसटी कलेक्शन 1.88 लाख करोड़ रुपए देखने को मिला था। वहीं दूसरी ओर अप्रैल के रिकॉर्ड कलेक्शन के मुकाबले में मई का कलेक्शन थोड़ा धीमा देखने को मिला है। अप्रैल के महीने में जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा 2.42 लाख करोड़ रुपए देखने को मिला था। जोकि मई के मुकाबले में काफी ज्यादा था। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मई के महीने में जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े किस तरह की कहानी बयां कर रहे हैं। रिपोर्ट किए गए महीने के दौरान घरेलू लेन-देन से कुल सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 37,397 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी 45,143 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी 51,990 करोड़ रुपये रहा। रिपोर्ट किए गए समय में सामान की टैक्सेबल सप्लाई में 26.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो घरेलू मांग को दिखाता है; वहीं, सर्विस सेक्टर में यह बढ़ोतरी 22.2 प्रतिशत रही, जो घरेलू खपत में ढांचागत मजबूती को दर्शाता है। मई के

दौरान इंपोर्ट से आईजीएसटी कलेक्शन 19.1 प्रतिशत बढक़र 59,654 करोड़ रुपये हो गया, जो औद्योगिक क्षमता में विस्तार का संकेत है. सामान और सेवा कर रिफंड 2.6 प्रतिशत बढक़र 27,281 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद, मई में शुद्ध जीएसटी राजस्व 3.3 प्रतिशत बढक़र लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 2.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

गूगल को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सर्च इंजन दिग्गज गूगल को विज्ञापन प्रणाली में एक अहम फैसले के तहत बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि गूगल अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म पर किसी एक कंपनी के पंजीकृत ट्रेडमार्क का इस्तेमाल किसी दूसरी प्रतिस्पर्धी कंपनी के विज्ञापनों को बढ़ावा देने के लिए नहीं कर सकता है।इस ऐतिहासिक फैसले से मशहूर सैनिटरीवेयर कंपनी हिंदवेयर को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग मामले में गूगल पर 30 लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया है। जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि विज्ञापनों के मामले में गूगल की भूमिका केवल एक मध्यस्थ या प्लेटफॉर्म प्रदान करने तक सीमित नहीं है।

REQUIRE SALES-MANAGEMENT STAFF

Staff for Construction
Company at Daman site
Contact No:
+91 81415 77649

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE MY NAME FROM OLD NAME :- NITIXABEN KAMLESH PATEL
NEW NAME :- NITIKSHABEN KAMLESHBHAI PATEL
ADDRESS :- 62/3 KOLIWAD KACHIGAM NANI DAMAN DAMAN 396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM KHAN LAYMA NIYAZMOHD /KHAN LAYMA NIYAZ MOHD TO **LAYMA KHAN** AS PER DOCUMENT.
ADDRESS: BAVISA FALIYA, TABUKAL SOCIETY, SILVASSA - 396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE MY NAME FROM OLD NAME : KAMLESH BHANA PATEL
NEW NAME :- KAMLESHBHAI BHANABHAI PATEL
ADDRESS :- 62/3 KOLIWAD KACHIGAM NANI DAMAN DAMAN 396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM KHAN BUSHRA NIYAZ MOHD. / KHAN BUSHRA NIYAZ TO **BUSHRA KHAN** AS PER DOCUMENT.
ADDRESS : BAVISA FALIYA, TABUKAL SOCIETY, SILVASSA-396230

गुजरात और मप्र के वन क्षेत्र में जानलेवा कैनाइन डिस्टेंपर वायरस फैलने का अंदेशा

अमरेली(ईएमएस)। एशियाटिक लायंस के लिए फेमस गुजरात के पूर्वी और पश्चिमी गिर फॉरेस्ट में 12 शेरों की मौत का मामला केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। वन विभाग ने 30 से अधिक शंकास्पद शेरों को एनीमल केयर सेंटर में रखा गया है। हालांकि, शेरों की लेबोरेटरी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है। ऐसा ही हाल मध्यप्रदेश में बाघों का है। मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 अप्रैल से अब तक 10 बाघों की मौत हो चुकी है। बाघों में सीडीवी जैसे गंभीर लक्षण पाए जाने के बाद वन विभाग ने अलर्ट मोड में अभियान शुरू कर दिए हैं।

मप्र में 10 बाघ और गुजरात में 12 शेरों की मौत से मचा हडक़ंप

गुजरात के शेरों में सीडीवी (कैनाइन डिस्टेंपर वायरस) जैसे लक्षण देखे जाने के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने रविवार को मास्क पहनकर जसधार पशु देखभाल केंद्र का दौरा किया। पिछले 15 दिनों में 12 शेरों की मौत के बावजूद रिपोर्ट जारी न होने से मामला और गहराता जा रहा है। गुजरात वन-विभाग चुप्पी साथे हुए है गुजरात में करीब 8 दिन पहले 5 शावकों और 4 शेरों मौत हुई थी। इनके नमूनों की जांच के बाद भी वन विभाग की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। हालांकि, सीडीवी जैसे गंभीर लक्षणों के चलते वन विभाग ने सतर्कता बरतते हुए काम शुरू कर दिया है। लेकिन आशंका है कि स्थिति गंभीर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर, रिपोर्ट जारी न करने को लेकर राज्य सरकार और वन विभाग पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है पूर्वी और पश्चिमी गिर में शेरों में फैली महामारी और उससे हुई मौतों के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया जामवाला एनिमल केयर सेंटर पहुंचे थे। उन्होंने वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि फि लाहाला स्थिति नियंत्रण में है। पिछले तीन दिनों से किसी भी शेर की मौत की खबर नहीं है। जामवाला में बैठक पूरी करने के बाद वन मंत्री जासाधार एनिमल केयर सेंटर भी जाएंगे। वहां भी वे अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा करेंगे। बाघों की मौत का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में लगातार हो रही बाघों की मौत का मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। जस्टिस विवेक जैन और जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की वेकेशन बेंच ने प्रारंभिक सुनवाई के दौरान मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित पक्षों से जवाब तलब किया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने अदालत को बताया कि 2 अप्रैल 2026 से अब तक कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) संक्रमण के कारण 10 बाघों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। इससे पहले 2018 में गुजरात में एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी। तब मौतों की वजह कैनाइन डिस्टेंपर वायरस और प्रोटोजोआ संक्रमण का मिश्रण माना गया था। 2025 गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या बढक़र 891 हो गई है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई श्रृंखला : आत्मनिर्भर भारत की औद्योगिक शक्ति का नया प्रतिबिंब

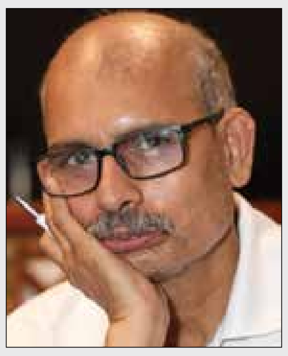

विनोद कुमार सिंह

जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब यह नई औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला नीतिगत निर्णयों,आर्थिक विश्लेषण और औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।यह भारत की औद्योगिक शक्ति को समझने का नया मानक बनेगी और आने वाले वर्षों में आर्थिक प्रगति की विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करेगी।यही इस नई श्रृंखला की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रासंगिकता है।

भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के उस मुकाम पर खड़ा है जहाँ उसकी विकास यात्रा को केवल आंकड़ों से नहीं,बल्कि उन आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी परखा जा रहा है।एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर भारत के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आर्थिक प्रगति को मापने वाले सभी प्रमुख संकेतक समयानुकूल,वैज्ञानिक और यथार्थपरक हों।इसी सोच के अनुरूप सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)की नई श्रृंखला जारी की गई है, जिसका आधार वर्ष 2022-23 निर्धारित किया गया है।

यह परिवर्तन केवल एक तकनीकी या सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप को समझने और उसे दुनिया के सामने अधिक सटीक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास भी है। नई श्रृंखला भारत के औद्योगिक क्षेत्र में आए व्यापक परिवर्तनों,नई उत्पादन गतिविधियों, तकनीकी नवाचारों और उभरते क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करती है।भारत की आर्थिक गतिविधियों में उद्योग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।कृषि,सेवा और उद्योग–इन तीनों स्तंभों में उद्योग ऐसा क्षेत्र है जो उत्पादन,रोजगार, निर्यात,निवेश और तकनीकी विकास को गति देता है।किसी भी देश की औद्योगिक सेहत को समझने के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक को सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में गिना जाता है।यही कारण है कि नीति-निमार्ता,अर्थशास्त्री,उद्योग जगत, वित्तीय संस्थान और निवेशक आईआईपी के आंकड़ों पर विशेष ध्यान देते हैं।औद्योगिक उत्पादन सूचकांक देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन के स्तर में होने वाले परिवर्तन को मापता है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि उद्योगों की उत्पादन क्षमता किस दिशा में बढ़ रही है, किन क्षेत्रों में तेजी है और कहाँ सुधार की आवश्यकता है।समय के साथ अर्थव्यवस्था बदलती है,उत्पादन के स्वरूप बदलते हैं और नई तकनीकें पुराने उत्पादों का स्थान लेती हैं। ऐसे में सूचकांक की आधार संरचना को भी अद्यतन करना आवश्यक हो जाता है।भारत में आईआईपी की आधार वर्ष श्रृंखला समय-समय पर संशोधित की जाती रही है।इसका उद्देश्य यही रहा है कि देश की वास्तविक आर्थिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके।वर्ष 2011-12 पर आधारित पुरानी श्रृंखला अपने समय के अनुरूप थी, लेकिन पिछले एक दशक में भारत की औद्योगिक संरचना में व्यापक बदलाव आए हैं। आज का भारत मोबाइल फोन निर्माण,इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, अक्षय ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण निर्माण, ड्रोन तकनीक, डिजिटल अवसंरचना और उच्च तकनीकी उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। इन

परिवर्तनों को पुराने आधार वर्ष के माध्यम से पूरी तरह अभिव्यक्त करना संभव नहीं था।नई श्रृंखला इसी आवश्यकता का परिणाम है। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित यह सूचकांक देश की वर्तमान औद्योगिक वास्तविकताओं के अधिक निकट है। इसमें उन क्षेत्रों को समुचित स्थान दिया गया है जो आज भारत की औद्योगिक प्रगति के प्रमुख वाहक बन चुके हैं।यह नई व्यवस्था न केवल उत्पादन संरचना को अद्यतन करती है, बल्कि आर्थिक विश्लेषण को भी अधिक सटीक बनाती है।नई श्रृंखला की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसमें अनेक नए उत्पाद समूहों को शामिल किया गया है। बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन उत्पादों को स्थान दिया गया है जो आज की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, वैक्सीन,लिथियम- आयन बैटरियां,सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट कार्ड उत्पाद तथा विमानन एवं अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उपकरण आज भारत की औद्योगिक पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इनका समावेश इस बात का संकेत है कि भारतीय उद्योग पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़कर तकनीक-आधारित और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।इसके साथ ही कई ऐसे उत्पादों और गतिविधियों को बाहर किया गया है जिनका आर्थिक महत्व समय के साथ कम हो चुका है।यह परिवर्तन किसी भी सांख्यिकीय प्रणाली के लिए आवश्यक होता है क्योंकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर तभी सामने आती है जब उसमें वर्तमान उत्पादन संरचना को उचित महत्व दिया जाए।नई श्रृंखला का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष इसका विस्तृत औद्योगिक दायरा है।पहले जिन गतिविधियों को सीमित महत्व प्राप्त था,उन्हें अब अधिक व्यवस्थित रूप से सम्मिलित किया गया है।जल आपूर्ति,गैस आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन तथा अन्य आधुनिक उपयोगिता सेवाओं को भी औद्योगिक गतिविधियों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया है। इससे औद्योगिक उत्पादन का आकलन अधिक व्यापक और वास्तविक होगा।भारत की ऊर्जा संरचना में भी पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा और अन्य अक्षय ऊर्जा स्रोतों का विस्तार अभूतपूर्व गति से हुआ है।देश ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।नई आईआईपी श्रृंखला में ऊर्जा क्षेत्र के वर्गीकरण को अधिक वैज्ञानिक और समसामयिक बनाया गया है।इससे पारंपरिक ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा दोनों की प्रगति का अधिक स्पष्ट आकलन संभव होगा।

खनन क्षेत्र भी भारतीय औद्योगिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है।आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप खनिज संसाधनों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।विशेष रूप से दुर्लभ खनिज और रणनीतिक खनिज भविष्य की तकनीकों के लिए अत्यंत आवश्यक माने जा रहे हैं। नई श्रृंखला में खनन गतिविधियों को अधिक विस्तृत दृष्टिकोण से शामिल किया गया है,जिससे इस क्षेत्र के योगदान का बेहतर विश्लेषण किया जा सकेगा।नई आईआईपी श्रृंखला का महत्व केवल सांख्यिकीय सुधार तक सीमित नहीं है।इसका सीधा संबंध सरकार की विकास नीतियों और औद्योगिक रणनीतियों से भी है। जब किसी देश के पास अधिक सटीक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होते हैं, तब नीतियों का निर्माण भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।उद्योगों की वास्तविक स्थिति,क्षेत्रवार विकास और उत्पादन क्षमता का आकलन बेहतर होने से संसाधनों का उपयोग अधिक कुशलता से किया जा सकेगा।वर्तमान समय में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं, विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम,रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को प्रोत्साहन तथा निर्यात वृद्धि की रणनीतियां इसी दिशा में किए जा रहे प्रयास हैं।इन योजनाओं की सफलता का सही मूल्यांकन तभी संभव है जब औद्योगिक आंकड़े भी वास्तविक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करें। नई आईआईपी श्रृंखला इस आवश्यकता को पूरा करती है।विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच निवेशकों का विश्वास भी सटीक आंकड़ों पर आधारित होता है।घरेलू और विदेशी निवेशक किसी देश में निवेश से पहले उसकी औद्योगिक स्थिति, उत्पादन क्षमता और विकास संभावनाओं का अध्ययन करते हैं।नई श्रृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था की औद्योगिक तस्वीर को अधिक स्पष्ट और विश्वसनीय रूप में प्रस्तुत करेगी,जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत होगा।इसके अतिरिक्त यह परिवर्तन शोधकताओं,अर्थशास्त्रियों और नीति विश्लेषकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।उन्हेंऔद्योगिक विकास की नई प्रवृत्तियों का अध्ययन करने और भविष्य की संभावनाओं का आकलन करने के लिए बेहतर आधार उपलब्ध होगा। इससे आर्थिक अनुसंधान की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

निश्चित रूप से किसी भी नई श्रृंखला के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। पुरानी और नई श्रृंखला के आंकड़ों के बीच तुलनात्मक अध्ययन,दीर्घकालिक रुझानों का विश्लेषण तथा आंकड़ों की निरंतरता बनाए रखना प्रारंभिक चरण में चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन सांख्यिकीय विशेषज्ञों द्वारा अपनाई गई आधुनिक पद्धतियां इस संक्रमण को सुगम बनाने में सहायक होंगी।भारत आज केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं,बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख केंद्र बनकर सामने आ रहा है।विनिर्माण, प्रौद्योगिकी,नवाचार और हरित विकास के क्षेत्र में देश ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें मापने के लिए भी आधुनिक और विश्वसनीय संकेतकों की आवश्यकता है।नई आईआईपी श्रृंखला इसी आवश्यकता की पूर्ति करती है।वास्तव में यह नई श्रृंखला भारत की औद्योगिक यात्रा का अद्यतन दस्तावेज है।इसमें देश की बदलती उत्पादन क्षमता,तकनीकी प्रगति, औद्योगिक विविधता और आर्थिक आत्मविश्वास की झलक दिखाई देती है।यह केवल आंकड़ों का पुनर्गठन नहीं,बल्कि उस नए भारत का प्रतिबिंब है जो आत्मनिर्भरता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब यह नई औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला नीतिगत निर्णयों,आर्थिक विश्लेषण और औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।यह भारत की औद्योगिक शक्ति को समझने का नया मानक बनेगी और आने वाले वर्षों में आर्थिक प्रगति की विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करेगी।यही इस नई श्रृंखला की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रासंगिकता है।

संपादकीय

पंजाब के संकेत

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दशार्ता है। सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दशार्ता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी-हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।

अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।

मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

गुटखा प्रतिबंधित फिर भी 42 फीसद बढ़े ओरल कैंसर के मरीज

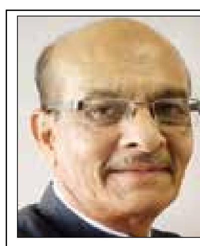

सनत जैन

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा ओरल कैंसर के मामलों को रोकने के लिए पिछले 12 वर्षों से गुटखा प्रतिबंध लागू कर रखा है। इसके बाद भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या कम होने के स्थान पर साल-दर-साल बढ़ती चली जा रही है। सरकारी दावे और जमीनी हकीकत दोनों एक दूसरे के विपरीत हैं। 1 अप्रैल 2012 को मध्य प्रदेश सरकार ने गुटके पर प्रतिबंध लगाया था, उसके बाद गुटखा कंपनियों ने तुम डाल-डाल हम पात-पात की नीति अख्तियार करते हुए पैकिंग को बदल दिया। पान मसाला और तंबाकू की पैकिंग को अलग-अलग करते हुए ग्राहकों को पान मसाला के साथ तंबाकू के पैकेट को भी साथ में दिया जाने लगा, जिसके कारण सरकार ने जो प्रतिबंध लगाया था वह एक छलावा बनकर रह गया है। सरकार के आदेश पर गुटखा की पैकिंग में यह चेतावनी भी प्रकाशित की जाने लगी कि गुटखा खाना जानलेवा है। इस प्रकार प्रतिबंध लगाते समय जो सरकार ने सोचा था ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को मिल रहे हैं। तंबाकू और पान मसाला की पैकिंग अलग-अलग होने के कारण पहले निश्चित मात्रा में गुटखा के पाउच के साथ मिली हुई तंबाकू आती थी, लेकिन जब से पैकिंग अलग हुई है उसके बाद लोगों ने ज्यादा तंबाकू खाना शुरू कर दिया है, वह अपनी इच्छा के अनुसार पान मसाले में तंबाकू मिला लेते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के जो आंकड़े सामने आए हैं उसके अनुसार पिछले 14 वर्षों में ओरल कैंसर के मामले 42 फीसदी तक बढ़ गए हैं। हर साल इसमें वृद्धि देखने को मिल रही है। 2012 में इस अस्पताल में 1836 ओरल कैंसर के मरीज आए थे जो 2025 में बढ़कर 2614 हो गए। यह केवल एक कैंसर हॉस्पिटल का आंकड़ा है। देश में इस बीच में कई कैंसर के नए अस्पताल खुले हैं, उनमें भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। कैंसर हॉस्पिटल और डॉक्टरों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद गुटखा खाने वालों की संख्या पहले की तुलना में और ज्यादा बढ़ी है। पान मसाला और तंबाकू की अलग-अलग पैकिंग होने के कारण तंबाकू बड़े पैमाने पर खाई जा रही है। ओरल कैंसर के मरीज जो गुटखा खाते हैं कुछ समय के बाद उनका मुंह पूरा नहीं खुलता है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक नाइट्रोसामाइंस गलों के अंदर की कोशिकाओं के डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद इसमें ट्यूमर बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। पान मसाला में चूना मुंह की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन और कसीनोजेनिक रसायन खून के साथ मिलकर तेजी के साथ ट्यूमर बनाने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, जिसके कारण ओरल कैंसर के मरीज का मुंह पूरा नहीं खुल पाता है, उसे खाने-पीने में तकलीफ होने लगती है। लगातार दर्द बढ़ता चला जाता है। ऐसी हालत में ओरल कैंसर के मरीज को ठीक कर पाना बहुत मुश्किल होता है। सरकार तरह-तरह के नियम और कानून बनाती है लेकिन उनका पालन कागजों तक सीमित होकर रह जाता है। जमीनी हकीकत ठीक इसके विपरीत होती है। गुटखा के इस कारोबार में भारी पैसा गुटका कंपनी कमाती हैं, जितना गुटका एक नंबर में बिकता है उससे कई गुना ज्यादा गुटका दो नंबर में बिकता है, जिसके कारण सरकार को एक्साइज ड्यूटी और जीएसटी का बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन पान पसंद पान मसाला के नाम पर बड़े पैमाने पर विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया में गुटका कंपनियों के विज्ञापन पहले की तुलना में और भी बढ़ गए हैं। सरकार के पास सही आंकड़े उपलब्ध नहीं होते हैं। गुटखा कंपनियों के इस कारोबार में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की कोई निगरानी नहीं होती है। इसके पास निगरानी करने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारी और कर्मचारी ही नहीं है। ऐसी स्थिति में खाद्य सुरक्षा के नाम पर गुटखा कंपनियों से वसूली करके यह विभाग आंख मूंद लेता है। गुटका का उत्पादन और विक्रय अघोषित तरीके से होने के कारण पुलिस, आयकर विभाग, जीएसटी, एक्साइज विभाग इत्यादि सभी की मिलीभगत होती है जिसके कारण ओरल कैंसर को रोकने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी प्रयास किए गए हैं वह सब कागजों तक सीमित रह गए हैं।

आईपीएल 26 का खिताब आरसीबी के नाम लेकिन भव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

संजय गोस्वामी

आईपीएल के 2926 के मैच में बिहार के एक 15 वर्ष के लड़के वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल का नाम बैटिंग में चर्चा में है निश्चित रूप अभी तक के क्रिकेट इतिहास में पहली बार इतने कम उम्र के खिलाड़ी ने जाने माने वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है जो उनके हुनर और मेहनत को दशार्ता है वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्होंने जनवरी 2024 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। वह भारत के सबसे कम उम्र के लिस्ट ए क्रिकेट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी हैं, और आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी हैं उन्होंने चार वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया। प्रारंभ में उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया, और बाद में नौ वर्ष की आयु में उन्होंने समस्तीपुर की एक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। सूर्यवंशी का संबंध मुजफ्फरपुर जिला से भी गहरा रहा है, जहाँ उन्होंने एक इनडोर स्टेडियम में अभ्यास किया और अपने एक रिश्तेदार के घर पर रहते थे।सूर्यवंशी ने जनवरी 2024 में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, उस समय उनकी आयु 12 वर्ष और 284 दिन थी। इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और भारत के चौथे सबसे कम उम्र के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर बने। उन्होंने युवराज सिंह (15 वर्ष 57 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अलीमुद्दीन का रिकॉर्ड अब भी कायम है, जिन्होंने 1942-43 सीजन में राजपुताना की ओर से 12 वर्ष और 73 दिन की आयु में पदार्पण किया था।लेकिन जब हम लोग अपने समय 1985 के दौर में खेला करते थे तो वहाँ भी उस समय नए अच्छे क्रिकेटर भी खेला करते थे मुझे याद है कि हम लोग अपने नानी घर नयागांव में खाना खाने के बाद आम के पेड़ के निचे क्रिकेट खेलते थे वहाँ भी ग्राउंड था लेकिन उसमें बहुत अच्छा खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए हुआ करता था कुछ वहाँ के लोग देखते और शाबाशी देते थे उस समय ना हेलमेट था ना सही मजबूत जूता और पैड बस काम चल जाता था लेकिन क्रिकेट में बैटिंग और बॉलिंग दोनों करना सभी पसन्द करते थे भले ही स्पिन हो जो ऊपर क्रम के बल्लेबाज होते वो ज्यादातर स्पिन बॉलिंग ही करते ताकि थकान कम हो दरअसल क्रिकेट में दो मुख्य बैटिंग और बॉलिंग और बारी-बारी से होने वाली विधाएँ हैं, जिनमें बैटिंग करने वाली टीम के खिलाड़ी रन बनाने की कोशिश करते हैं, और फील्डिंग करने वाली टीम के बॉलर गेंद को इस तरह फेंकने की कोशिश करते हैं कि बैटर आउट हो जाएँ या रन बनाने से रुक जाएँ।हालांकि विकेटकीपिंग भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि हमसे अगर पूछिए तो सबसे मेहनत का काम विकेटकीपिंग का होता है नयागांव से हमलोग छपरा के मैदान से एक अच्छी टीम के साथ खेलने निकलें रात भर खूब प्रैक्टिस किया और 5 बजे सुबह की ट्रेन से 2घंटे में छपरा पहुँच गए वहाँ भी टीम तैयार थी मैदान में बहुत से लोग मैच देखने आए थे हमारी टीम टॉस हार गई और पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया मेरे भाईसाहब और उनके दोस्त ने ओपनिंग की उस समय हम लोगों ने गलब्स पैड बॉल अच्छे क्वालिटी के लिए थे और एक हार्ड प्लास्टिक के कैप को अंदर डालते थे शुरूआत में एक तेज गेंदबाज ने पहली ही बॉल पर बोल्ड कर दिया और उस ओवर में मात्र 3 रन ही बना दूसरे ओवर में एक और विकेट रन आउट हो गया और 5 रन बने फिर 3 ओवर में 1और कैच आउट ठीक बाउंड्री लाइन पर हुआ 5 ओवर में तीन विकेट पर 14 रन था जैसे ही 30 रन पर एक स्टंप आउट हुआ मुझे मौका मिला खेलने का और पहली ओवर में एक कट मारा जो बाउंड्री लाइन पर रोका गया मैं लेफ्ट हैंड से बैटिंग करता था फिर हमने देखा बॉल में बहुत गति है तो छोड़ दिया और कभी वाइड तो कभी विकेटकीपर से छूटता और 4 रन बाई में मिल जाता था फिर एक बॉल आया और गलती से टच हुआ और कैच हुआ इसतरह 30 ओवर के मैच में कुल 102 रन बने दूसरी टीम को बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उसके भी विकेट गिरते कभी स्कोर बढ़ता रहा एक समय 94 रन पर 6 विकेट था तो ऐसा लग रहा था मैच हाथ से निकल गया लेकिन हारते देख मुझे बोलिंग दिया और मेरे एक ओवर में दो फूल टॉस बॉल पर दो कैच हुआ और उस ओवर में मात्र 4 रन मिला अब दबाब बैट्समैन पर आया और 8 विकेट गिर चूंके थे अब जीत के लिए 4 रन की जरुरत थी तभी दूसरे गेंदबाज ने तेज बॉल की और एक और विकेट गिरा जो विकेटकीपर के हाथों कैच हुआ और अंतिम बल्लेबाज मात्र एक रन पर एलवीडब्लू आउट हुआ मैच 1 रन से जीत गया फिर वहाँ के विधायक ने ट्राफी दि उस दिन इतना थकने के बावजूद नींद नहीं आया बाद में पटना सिटी कॉलेज में एक ग्राउंड था वहाँ हमलोग दोस्तों के साथ मिलकर खेला करते और मेरी आदत थी बॉल को स्वीप करना कभी शून्य पर आउट कभी 50 रन के ऊपर बन जाता था एक बार पटना के मोनुलहक स्टेडियम में रेलवे और सहकारी विभाग बिहार सरकार ने एक टीम बना कर मैच कराया था जिसमें कपिलदेव, अमरनाथ, सबाकरीम, मनिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया जो 4 दिन तक चली और मैं वहाँ पहली बार स्टेडियम में मैच देखने गया वह समय था 1987 के विश्वकप से पहले का और मेरे सामने मनिंदर सिंह दिखे और ऑटोग्राफ लिया वहाँ और टीवी में मैच देखने का मजा अलग था बाद में जब 1991 के आसपास टेनिस बॉल का जमाना आया तो खुब मजा आया उसमें छोटे बच्चे से लेकर बड़े सभी खेलते थे मेरी बैटिंग काफी प्रैक्टिस के बाद सुधार हुआ और जब आप प्रैक्टिस करते हैं तो समझ में आता है किसे मारना है टप्पा खा कर कहाँ गिर सकती है और कैसे मारना है हमने एक बात गौर की कि उस समय यदि आईपीएल होता तो कुछ लोग को अवसर मिल सकता था क्योंकि वो सुबह से शाम तक ग्राउंड पर ही समय निकाल देते थे उस समय 1987 के वर्ल्ड कप में ब्लैक एंड वाइट टीवी पर देखने का अलग मजा था गांव में पोर्टबल टीवी होती और बिजली रहे ना रहे कार बैटरी से मैच देख लेते थे अब नए जमाने में क्रिकेट खेल और फैशन दोनों हो गया है लेकिन उस समय क्रिकेट एक खेल था जब 1987 में इंग्लैंड और इंडिया का सेमीफइनल हुआ तो इंडिया जीतते जीतते रह गया 251 रन का टारगेट था और इंडियन बल्लेबाज कभी आउट होते कभी टिके रहते सारी उम्मीद कपिलदेव पर टिकी थी लेकिन 35 रन बनाकर जैसे ही आउट हुए विकेट गिरना चालू हो गया और टीम कुछ रनो के अंतर से हार गई सब जगह मायूसी था सुबह निकला तो कोई चेतन शर्मा की बैटिंग पर अफसोस कर रहा था तो कोई किरण मोरे तो कोई कपिलदेव पर और पुरी दिन यही चर्चा चली उस समय हमलोग पटना के मंगल तालाब और सिटी स्कूल के ग्राउंड में मैच खेलते थे अच्छा मैच होता उस समय बल्ला भी मामलू होता और गेंद भी काफी हार्ड होता था अगर गलती से लगा तो सर फट जाएगा मुझे अच्छा बल्ला खरीदने का मन तो बहुत था लेकिन पैसे की कमी से वो लकड़ी वाला ही चल जाता था बाद में मेरे मामा ने जो कोलकत्ता में रहते थे उन्हें भी क्रिकेट में रूचि थी एक कायदे का बैट खरीदा था कड़ी मेहनत, अभ्यास और बल्लेबाज के खिलाफ कैसे खेलना है, इसके लिए थोड़ी समझदारी–ये सब जरूरी हैं। बिना अभ्यास के आप लाइन और लेंथ पर महारत हासिल नहीं कर पाएँगे, जो बल्लेबाज को हराने की कुंजी है। क्रिकेट में आपकी लाइन और लेंथ की बुनियादी बातें सही होनी चाहिए। गेंद में एक लूप (घुमाव) होना चाहिए। यह लूप–जिसे हम पहले फ़्लाइट कहते थे–लगातार बना रहना चाहिए। समय के साथ, आप इस लूप को बढ़ाते हैं और इसे अपने हिसाब से ढालते हैं। आप पहले बल्लेबाज को एक जगह पर रोकते हैं और फिर अपना जाल बिछाते हैं–और वह धीरे-धीरे उसमें फँस जाता है। लेकिन ये बातें इतनी आसानी से नहीं सीखी जातीं। शीर्ष स्तर तक पहुँचने के लिए सालों-साल की मेहनत लगती है। लाइन, लेंथ और नियंत्रण केवल बहुत ज्यादा कड़ी मेहनत और अभ्यास से ही हासिल किया जा सकता है। कोई भी आपको यह सिखा नहीं सकता। आईपीएल के 2026 के मैच में रॉयल चैलेंर्जर बगलौर जीती तो जरूर है लेकिन गुजरात टाइटन ने कुछ धीमा खेला और रन ज्यादा बना ही नहीं पायी क्योंकि गुजरात टाइटन ने मात्र 154 रन का स्कोर किया जो 20-20 के क्रिकेट में मामूली स्कोर होता है राशिद खान को बाद में लाया गया अगर 2 सरें या तीसरे ओवर में लाते तो 1-2 विकेट जब उस समय गिरते तो दबाब होता और बाद में रोमांचक हो सकता था क्योंकि यह पिच में स्पिन था लेकिन जीत तो जीत है विराट कोहली ने शानदार पारी खेली बाद में मैच एक तरफा हो गया चलो कोई भी जीते टीम तो इंडिया के राज्यों के नाम पर है इसलिए इसमें मनोरंजन हुआ. आर सी बी को जीत की बधाई व शुभकामनायें।

यूक्रेन की कोस्त्युक ने हराया

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन से बाहर

महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले खिलाड़ी पर जुर्माना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 के विमेंस सिंगल्स में सोमवार को बड़ा उलटफेर हुआ। यूक्रेन की 15वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीय इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। मुकाबला 1 घंटा 39 मिनट चला।दूसरी ओर महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले पैराग्वे के एडोल्फो डेनियल वायेहो पर जुर्माना लगाया गया है।

पुरुषों में ज्वेरेव जीते, कैस्पर रूड बाहर –पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जेस्पर डी जोंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कोस्त्युक का मैच स्वितोलिना होगा

क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।एक अन्य मैच में रोमानिया की सोराना सिर्स्तेआ ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर 17 साल बाद रोलां गैरो के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब उनका सामना रूस की मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने जिल टाइखमान को 6-3, 6-2 से हराया।

ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने कैस्पर रूड को 7-5, 7-6 (6), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

एरिना (एजेंसी)। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया।

शूटआउट में पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने पीएसजी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद लिया बड़ा फैसला

नहीं निकलेगी विजय परेड

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी पर पैसों की बारिश, जीटी भी मालामाल

चैंपियन बेंगलुरु को 20 करोड़,गुजरात को 12.50 करोड़ मिले,वैभव सूर्यवंशी को 5 अवॉर्ड से 45 लाख और कार मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का समापन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के साथ हुआ। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास में अपना नाम और भी मजबूत कर लिया। खिताब के साथ-साथ आरसीबी पर इनामी राशि की भी बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीजन में भी करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की, जिससे शीर्ष टीमों और खिलाड़ियों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

एक-दो नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने जीते 5 अवॉर्ड्स

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से लेकर खत्म होने तक एक नाम जो सुर्खियों में बना रहा वह है वैभव सूर्यवंशी। छोटी उम्र में प्रतिभा के साथ-साथ उसे इस्तेमाल करने की कला ने सूर्यवंशी को कई रिकॉर्ड्स तोड़ने में मदद की और अवॉर्ड्स पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब किया। सूर्यवंशी को एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच ऑवर्ड्स मिले जिसमें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीज़न, ऑरेंज कैप विनर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन शामिल है। बिहार में जन्मे 15 साल के इस बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के लिए एक शानदार टूर्नामेंट खेला। उन्होंने सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट खत्म किया और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाए। सूर्यवंशी के 72 छक्के एक आईपीएल सीजन में किसी भी अन्य बल्लेबाज से कही ज्यादा है। पिछला रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था जिन्होंने एक आईपीएल सीजन में 59 छक्के लगाए थे।

मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना है, वैभव सूर्यवंशी ने गावस्कर के सामने बताया भविष्य का लक्ष्य

आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है। महज 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अंतिम लक्ष्य सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर से बातचीत के दौरान वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं और लाल गेंद क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के बारे में खुलकर बात की।

लाल गेंद से भी कर रहे हैं जमकर तैयारी – वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि लोग उन्हें सिर्फ टी20 क्रिकेट का आक्रामक बल्लेबाज समझते हैं, लेकिन वह लंबे समय से लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहे हैं।उन्होंने कहा, अभी अगला असाइनमेंट वनडे फॉर्मेट में है, इसलिए मुझे मैदान पर जाकर तैयारी करनी होगी।

आईपीएल 2026 अवॉर्ड्स लिस्ट

- फाइनल का 'प्लेयर ऑफ द मैच' - विराट कोहली
- सीजन का 'इमर्जिंग प्लेयर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन का 'सुपर स्ट्राइकर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन के 'सुपर सिक्सेस'- वैभव सूर्यवंशी
- सीजन की ग्रीन डॉट बॉल्स - मोहम्मद सिराज
- सीजन का बेस्ट कैच - मनीष पांडे
- फेयरप्ले अवॉर्ड - पंजाब किंग्स
- पर्पल कैप - कगिसो रबाडा
- ऑरेंज कैप - वैभव सूर्यवंशी
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर -वैभव सूर्यवंशी

व्यक्तिगत पुरस्कारों में छाए वैभव सूर्यवंशी

- ऑरेंज कैप विजेता - वैभव सूर्यवंशी~10 लाख
- पर्पल कैप विजेता - कगिसो रबाडा~10 लाख
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) - वैभव सूर्यवंशी~10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - वैभव सूर्यवंशी- 20 लाख

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी

लाइव देख पाएंगे फीफा विश्व कप के मैच, ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर मिला

नई दिल्ली(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होने में दो हफ्तों से भी कम का समय बचा हुआ है। अब आखिरकार टूर्नामेंट को भारत में ऑफिसियल ब्रॉडकास्टर मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने फीफा के साथ विश्व कप के आठ साल के मीडिया राइट्स के लिए समझौता कर लिया है। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में होना है। 2026 के साथ ही 2030 फीफा विश्व कप का प्रसारण भी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास रहेगा। इसके साथ ही 2027 और 2031 महिला फीफा विश्व कप के राइट्स भी इसमें शामिल हैं। फीफा और जी डील पक्की हो गई है, लेकिन इसकी कीमत का पता नहीं चला है।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें

फीफा विश्व कप 2026 की 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं।यह एक फीफा विश्व कप में टीमों की सबसे ज्यादा संख्या है।टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है।हर टीम अपने ग्रुप की अन्य तीनों टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में जाएंगी।अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था।चैंपियन बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा।

युवाओं के लिए सबक है विराट की पारी...

फाइनल में कोहली के तूफान के बाद बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की चौतरफा तारीफ हो रही है। इसी कड़ी में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कोहली की इस ऐतिहासिक पारी को युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन सबक बताया है। शर्मा का मानना है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ अंधाधुंध ताकत का इस्तेमाल ही सब कुछ नहीं है, बल्कि मजबूत तकनीक और धैर्य का भी कोई सानी नहीं है।

अच्छी तकनीक और धैर्य ही सफलता की कुंजी – राजकुमार शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में लंबी रेस का घोड़ा बनने के लिए तकनीक और मानसिक मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके पास बेहतरीन तकनीक और मजबूत जज्बा है, और आप दबाव की स्थिति में भी मैदान पर अपना धैर्य नाए रख सकते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यही वह खूबी है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार करते आ रहे हैं। वह आज के युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट को कैसे समझदारी से खेला जाता है।

फाइनल में कोहली का विराट प्रदर्शन – आपको बता दें कि इस फाइनल मुकाबले में जब आरसीबी लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो विराट कोहली ने शुरू से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने मैदान के चारों तरफ क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और टूर्नामेंट की अपनी सबसे तेज फिफ्टी भी ठोकी।

सिर्फ छक्के मारने का नाम टी20 नहीं – गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने महज 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत आरसीबी ने 156 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। कोहली की इस मैच जिताऊ पारी पर खुशी जाहिर करते हुए कोच राजकुमार शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, आज के युवा खिलाड़ियों के लिए विराट की यह पारी एक बड़ा सबक है। युवाओं को यह समझना होगा कि टी20 प्रारूप केवल पावर हिटिंग या हर गेंद पर छक्के मारने तक ही सीमित नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

डैरेन सैमी ने कही ये बात – सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

इंजरी के बाद जोसेफ का कमबैक

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है।

19.50 प्रतिशत चढ़ा मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी का शेयर, नेट प्रॉफिट 143 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों की कीमतों में आज 19.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 143 प्रतिशत बढ़ा है। यही वजह है कि आज कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल का भी निवेश है। उनकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से अधिक का है। बीएसई में आज सोमवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 17199.85 अंक पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 19.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 19189.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 19439 रुपये के काफी नजदीक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 13300 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 27976 करोड़ रुपये रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.91 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24.57 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 226 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 225.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 121.91 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार कंपनी के रेवन्यू में 85 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में 155.53 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा था। बता दें, पूरे वित्त वर्ष के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 101 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट बुलिश सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार कॉल दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने 25770 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल महावीर अग्रवाल की हिस्सेदारी 1.07 प्रतिसत है। मुकुल अग्रवाल के पास कंपनी के 160,000 शेयर हैं। शेयरों का प्रदर्शन कैसा है पिछले एक साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में एक साल में 21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स 8.06 प्रतिशत गिरा है। दो साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 120 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 10 साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 28258 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

चीन के जुगाड़ के आगे सब फेल, आंख में धूल झोंककर ले रहा प्रतिबंधित तेल

भारत के लिए मतलब, एक से दूसरे जहाज में ऐसे होता है तेल ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों और समुद्री नाकेबंदी के बावजूद चीन ईरानी तेल खरीदने में कामयाब है। अपने जुगाड़ तंत्र से उसने सारे अमेरिकी इंतजामों को फेल कर दिया है। ईरान पुराने टैंकरों के एक गुप्त नेटवर्क का इस्तेमाल करके चीन को कच्चा तेल भेजकर अरबों डॉलर का ऑयल रेवेन्यू कमा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। चीन की इस खरीद-फरोख्त का भारत के लिए भी मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के तट से 45 मील दूर समंदर में प्रतिबंधित टैंकर गुप्त रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करते हैं। ईरानी कच्चा तेल उन दूसरे जहाजों में उतार दिया जाता है जो चीनी बंदरगाहों की ओर जा रहे होते हैं। मई की शुरुआत में ऐसे ही एक ट्रांसफर को देखने के बाद बताया कि जहाजों के क्रू सदस्य जहाजों के नाम और पहचान नंबरों को तिरपाल या पेंट से छिपा देते हैं। अक्सर तेल के मूल स्थान को छिपाने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को बंद कर दिया जाता है। ये ऑपरेशन ईरान की अमेरिकी दबाव का सामना करने की क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं। ईरान के साथ चल रही बातचीत में अमेरिका

तेल प्रतिबंध हटाने से इनकार कर चुका है। अमेरिका ने हाल के महीनों में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। टैंकरों और चीनी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिबंध लगाए हैं। हिंद महासागर में ईरान से जुड़े कई जहाजों को जब्त किया है। हालांकि, समुद्री विश्लेषकों के हवाले से जर्नल ने बताया कि इस व्यापार को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनिश्चितकालीन सैन्य मौजूदगी और चीन पर लगातार दबाव बनाए रखने की जरूरत होगी। एनर्जी एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा का अनुमान है कि लगभग 9 करोड़ बैरल ईरानी तेल नाकेबंदी से बाहर है। इसमें से ज्यादातर पहले से ही रास्ते में है या अपतटीय भंडार में रखा हुआ है। इससे तेहरान को भविष्य में अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की खेप और पेमेंट में कई महीने लगने के कारण ईरान को शरद ऋतु तक पैसा मिलता रहेगा। चीन आधिकारिक तौर पर 2022 से ईरान से तेल आयात न करने की रिपोर्ट करता है। इसे विश्लेषक आगे के अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों का नतीजा मानते हैं। रिसर्चर्स सैटेलाइट इमेज, रुक-रुक कर मिलने वाले जहाज ट्रांसपोंडर संकेतों और सीमा शुल्क डेटा के जरिये व्यापार पर नजर रखते हैं। इससे पता चलता है कि चीन मलेशिया और इंडोनेशिया से असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में तेल आयात कर रहा है।

ईरान ने चीन से तेल में कमाए 31 अरब डॉलर

अमेरिकी-चीनी आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के अनुसार, इसके बावजूद तेहरान ने पिछले साल चीन से तेल राजस्व के रूप में लगभग 31 अरब डॉलर कमाए। आयोग ने कहा कि चीन ईरान के तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत और ईरानी सरकार के बजट का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था। इस नेटवर्क को बनाए रखने में चीन की अहम भूमिका है। कई टैंकर-मालिक कंपनियां चीनी शहरों में रजिस्टर्ड हैं। क्रू सदस्य अक्सर चीनी होते हैं। तेल का बड़ा हिस्सा पूर्वी चीन में मौजूद स्वतंत्र 'टीपॉट' रिफाइनरियों तक पहुंचता है। जर्नल ने बताया कि बीजिंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध किया है। हाल ही में घरेलू कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पांच चीनी रिफाइनरियों के खिलाफ अमेरिकी उपायों का पालन न करें।

फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर, 53.50 तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली

में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी कीमत अब दिल्ली में 821.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 तक की बढ़ोतरी दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 का हो गया है मुंबई में इसकी कीमत 3,067.50 रुपये और चेन्नई में 3,283 रुपये हो गई है 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है

कच्चे तेल की कीमत

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हालांकि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई थी और इंडियन ऑयल बास्केट भी 6 मार्च के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया था। लेकिन आज हफ्ते के पहले दिन आज कच्चा तेल फिर उछला है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.55 फीसदी यानी 2.32 डॉलर की तेजी के साथ 93.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

जून 2026 में एक हफ्ता बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2026 में बैंक ग्राहकों को अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लेने चाहिए, क्योंकि

महीने के दौरान विभिन्न छुट्टियों, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के कारण कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक अवकाश की सूची के अनुसार जून में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय आयोजनों के चलते शाखाएं बंद रहेंगी। महीने की शुरुआत में 7 जून को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 13 जून को दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 15 जून को वायएमए डे और राजा संक्रांति त्योहार के अवसर पर आइजोल और भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 21 जून को रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 25 जून को मुहर्रम के कारण विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर अगरतला, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 जून को चौथा शनिवार और 28 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन फिर बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 29 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर शिमला में बैंक अवकाश रहेगा, जबकि 30 जून को रेमना नी के कारण आइजोल में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और डिजिटल पेमेंट सर्विस का उपयोग कर सकेंगे। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि नकदी निकासी, चेक जमा करने या अन्य शाखा संबंधी कार्यों की योजना छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाएं।

मोदी सरकार की नई स्कीम, आपकी पूंजी आपका अधिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आपका पूंजी, आपका अधिकार अभियान : अगर आप या आपके परिवार के किसी सदस्य ने बैंक, बीमा, शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड में पैसा लगाकर भूल गया है। यह पैसा लगाने वाला व्यक्ति जीवित नहीं है तो उन पैसों को आप वापस पा सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने नागरिकों को उनकी भूली-बिसरी और अनक्लेम्ड एसेट्स ढूंढने और वापस पाने में मदद करने के लिए एक साझा जागरूकता पहल शुरू की है जिसका नाम है 'आपका पूंजी, आपका अधिकार'। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जहां एक ही विंडो से यूजर्स को उपयुक्त नियामकों द्वारा संचालित पोर्टलों पर भेज दिया जाता है ताकि वे बैंक जमा, बीमा, शेयर आदि के क्लेम वापस ले सकें। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सेवा के लिए किसी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है, यह पूरी तरह मुफ्त है, और इस पर केवल सरकारी नियामकों के आधिकारिक संसाधनों तक पहुंच दी जाती है। बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा रकम कैसे खोजें इस पोर्टल के माध्यम से लोग भारतीय रिजर्व बैंक के उद्गम पोर्टल पर जाकर बिना दावे के बैंक में जमा रकम की खोज कर सकते हैं। यह पोर्टल यूजर्स को उन जमाओं का पता लगाने की सुविधा देता है, जो सहभागी बैंकों में निष्क्रिय हो चुकी हैं या जिन पर दावा नहीं किया गया है। अगर पुराने बचत खाते, आरडी या लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खाते अनक्लेम्ड जमा की श्रेणी में आते हैं तो वे सर्च रिजल्ट में दिख सकते हैं।

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड का आईपीओ 5 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रौद्योगिकी आधारित एंटरप्राइज़ परफॉर्मेंस एवं एनालिटिक्स समाधान प्रदाता जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 05 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ जुटाने का है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास हेतु पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार, 05 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 09 जून 2026 को बंद होगा। इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार की भूमिका बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड निभा रहा है।

एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करना है। जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राकेश अग्रवाल ने कहा, यह आईपीओ जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पिछले वर्षों में हमने एक परामर्श-आधारित संगठन से विकसित होकर एक प्रौद्योगिकी-आधारित एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में परिवर्तन किया है, जो विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह आईपीओ केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं के विस्तार और बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए उत्पादों और तकनीकी समाधानों के विकास, कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा में रणनीतिक निवेश करने तथा हमारी दीर्घकालिक विकास योजना को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रतिराज तिबरेवाल ने कहा-भारत का डिजिटल परिवर्तन और एंटरप्राइज एनालिटिक्स उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड तकनीक, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को व्यवसायों द्वारा तेजी से अपनाया जाना है। हमारा मानना है कि यह बदलता हुआ परिदृश्य जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड जैसी प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है।

125 करोड़ के नए ऑर्डर के साथ सथलोखर सिनर्जीज़ की एफवाय27 ऑर्डर बुक 840 करोड़ के स्तर पर

चेन्नई, एजेंसी। ईपीसी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सथलोखर सिनर्जीज़ ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) के अतिरिक्त पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी की एफवाय27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) हो गई है, जिससे आने वाली अवधि के लिए मजबूत राजस्व दृश्यता सुनिश्चित हुई है। नए प्रोजेक्ट्स औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। कंपनी को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसइजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित एसआइपीसीओटी पार्क में सिविल और पीइबी निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 105.37 करोड़ (जीएसटी सहित) है। इस परियोजना में वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज 1बी के लिए 22.53 करोड़ (जीएसटी सहित) का अतिरिक्त सिविल और पीइबी कार्य ऑर्डर भी मिला है, जिसके फरवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सथलोखर सिनर्जीज़ को सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र स्थित विनिर्माण इकाई में सिविल, पीइबी एमईपी, पाइपलाइन और प्लांट कोऑर्डिनेशन कार्यों के लिए 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह परियोजना सितंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी को श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से भी एमईपी कार्यों के लिए लगभग 3.68 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मजबूत हुई है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाली तिमाहियों में स्थिर राजस्व वृद्धि और कारोबारी विस्तार को समर्थन मिलेगा।

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वॉकहार्ट के शेयर सोमवार को बाजार खुलते ही 19 पर्सेंट के जोरदार उछाल के साथ 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। वॉकहार्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने उसकी नोवेल इंट्रावेनस एंटीबायोटिक जैनिच को अमेरिकी मार्केट के लिए मंजूरी दे दी है। यह एंटीबायोटिक वयस्कों में कॉम्प्लीकेटेड यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस के इलाज में काम आती है। वॉकहार्ट की इस एंटीबायोटिक को मैजिक पिल या मिरकल ड्रग भी कहा गया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल

ऑर्गेनाइजेशन ने भी जैनिच के इंपोर्ट और इंडियन मार्केट में इसकी मार्केटिंग को मंजूरी दे दी है।

1425 रुपये से 2400 रुपये के पार पहुंचे शेयर: इंडियन फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक महीने में गजब की तेजी देखने को मिली है। वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयर 4 मई 2026 को 1425.50 रुपये पर थे। फार्मा कंपनी के शेयर 1 जून 2026 को 2420 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 68 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। अगर पिछले 5 दिन की बात करें तो फार्मा कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1579 रुपये से बढ़कर 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। फार्मास्युटिकल कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड ने बताया है कि जैनिच को 27 मई 2026 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल गई है।

एंटीबायोटिक को लेकर वॉकहार्ट ने क्या कहा...

फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के मुताबिक, जैनिच फोर्थ जेनरेशन सेफलॉस्परिन सेफेपाइम और जाइडबैक्टम को कंबाइंड करती है और यह एक साथ मई पेंसिलिन-बाइडिंग प्रोटीन्स को टारगेट करती है। इस एंटीबायोटिक को पहले एफडीए से क्वॉलीफाइड इंफेक्शस डिसीज प्रॉडक्ट और फास्ट ट्रैक डेजिग्नेशंस मिल चुका है। यूएस एफडीए का यह अप्रूवल ऐसे समय आया है, जब एंटीमाइक्रोबिएल रेजिस्टेंस एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती बना हुआ है। वॉकहार्ट ने डेटा का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका में हर साल 2.8 मिलियन से ज्यादा एंटीमाइक्रोबिएल-रेजिस्टेंट इंफेक्शंस होते हैं।

सेबी ने लगाया कंपनी पर 29 करोड़ रुपये जुर्माना, शेयर 4.8 प्रतिशत तक लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में की कीमतों में आज शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सेबी की तरफ से लगाई गई पेनाल्टी के बाद देखने को मिली है। मार्केट रेगुलेटर ने सुजलॉन एनर्जी पर 29 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। बता दें, बीएसई में आज सुजलॉन एनर्जी के शेयर 56.12 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह स्टॉक 54.40 रुपये के स्तर पर आ गया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर 15.95 करोड़ रुपये, विनोद आर तांती पर 5.75 करोड़ रुपये और गिरीश आर तांती पर 5.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों - कीर्ति जे वागड़ी पर 1.5 करोड़ रुपये और अमित अग्रवाल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में सेबी ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया। सुजलॉन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.6 प्रतिशत घटकर 1,114 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से डिफर्ड टैक्स क्रेडिट में कमी से कंपनी का लाभ घटा है। सुजलॉन ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,181 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी की ऑपरेटिंग रेवन्यू बढ़कर 5,468 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 3,774 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 3,163 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,072 करोड़ रुपये था। पिछले तीन महीने में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इंडस्ट्री में शुरुआती सफर रहा बेहद कठिनः ईशा सिंह

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बताया कि इंडस्ट्री में शुरुआती सफर उनके लिए बेहद कठिन और मानसिक रूप से थका देने वाला रहा था। एक बार वह परेशान होकर अपना पहला शो बीच में छोड़कर अपने घर लौट गई थीं। ईशा सिंह ने मनोरंजन जगत में अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए बड़ा खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने हालांकि बाद में खुद को संभाला और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। ईशा सिंह ने कहा कि शुरुआती दौर उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण समय था। उन्होंने बताया कि उस समय वह बिल्कुल नई थीं और इंडस्ट्री के कामकाज को समझने की कोशिश कर रही थीं। लगातार काम का दबाव और नई परिस्थितियों ने उन्हें काफी परेशान कर दिया था। अभिनेत्री ने कहा कि एक वक्त ऐसा भी आया जब उन्होंने सब कुछ छोड़ने का फैसला कर लिया और भोपाल लौट गईं। हालांकि उनका मानना है कि भगवान ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था और उसी की कृपा व अपनी मेहनत की वजह से वह आज इस मुकाम तक पहुंच पाई हैं। ईशा ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में उन्हें कई अच्छे लोगों का साथ मिला, जिसकी वजह से उन्हें कभी यह महसूस नहीं हुआ कि वह बाहर से आई हैं। उनके मुताबिक, शुरुआत में काम सीखने और खुद को ढालने में मुश्किलें जरूर आईं, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने खुद को मजबूत बनाया। अभिनेत्री ने अपने दर्शकों का भी आभार जताया और कहा कि उन्हें हमेशा दर्शकों से भरपूर प्यार मिला है। ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियो और बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। इन शोज के जरिए उन्हें लोकप्रियता मिली, लेकिन कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि रियलिटी शोज लोगों के सामने आपकी जिंदगी को एक खुली किताब की तरह पेश कर देते हैं। ऐसे में आलोचनाएं होना आम बात है। हालांकि अब उन्होंने नकारात्मक टिप्पणियों को खुद पर हावी नहीं होने देना सीख लिया है। ईशा का कहना है कि वह अब मानसिक और भावनात्मक रूप से पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हैं। बातचीत के दौरान जब उनसे उनके आने वाले प्रोजेक्ट में ऑटिस्टिक किरदार निभाने की चर्चाओं को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इस पर ज्यादा जानकारी साझा करने से फिलहाल इनकार कर दिया। अभिनेत्री ने कहा कि यह एक बेहद खूबसूरत और संवेदनशील प्रोजेक्ट है, जिसके बारे में वह सही समय आने पर बात करेंगी।

"बहुत खास" प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही मृणाल

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है को लेकर चर्चा में हैं। मृणाल ने अब अपने फैंस को एक और बड़ा सरप्राइज देने का संकेत दिया है। मृणाल ठाकुर ने खुलासा किया है कि वह किसी "बहुत खास" प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो साझा किया। वीडियो में वह उत्साहित अंदाज में कहती नजर आईं, "ऑल राइट, लेट्स गो!" इसके साथ उन्होंने लिखा कि वह एक बेहद खास प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और उस जादू को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं, जिसे उनकी टीम ने मिलकर तैयार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका दिल भावुक है और वह भगवान की बहुत आभारी हैं। हालांकि अभिनेत्री ने फिलहाल इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उनके इस पोस्ट के बाद फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। मृणाल की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जून में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर डेविड धवन ने किया है। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे कई लड़कियों द्वारा रिजेक्ट किए जाने के बाद अकेलापन घेर लेता है। हालांकि उसकी जिंदगी में अचानक कुछ ऐसा होता है, जिससे उसके जीवन में बड़े बदलाव आने लगते हैं। फिल्म के नाम को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, "है जवानी तो प्यार होना है" बीवी नं.1 का बेहद लोकप्रिय गाना था, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुश्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि नई फिल्म का नाम इसी सुपरहिट गाने से प्रेरित है। बताया जा रहा है कि यह डेविड धवन के करियर की आखिरी फिल्म भी हो सकती है। उन्होंने हिंदी सिनेमा में 1989 में फिल्म 'ताकतवर' से निर्देशन की शुरुआत की थी। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई सुपरहिट कॉमेडी फिल्मों का निर्देशन किया, जिनमें 'आंखें', 'जुड़वा', 'कुली नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'दीवाना मस्ताना', 'राजा बाबू', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'मुझसे शादी करोगी', 'पार्टनर' और 'मैं तेरा हीरो' जैसी फिल्में शामिल हैं। वहीं मृणाल ठाकुर ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उन्होंने 'मुझसे कुछ कहती ये खामोशियां' और कुमकुम भाग्य जैसे लोकप्रिय टीवी शो में काम किया।

'अंडर 18' में किच्चा सुदीप की एंट्री से फैंस में उत्साह

मुंबई (ईएमएस)। पहले से ही साउथ की अपकमिंग फिल्म अंडर 18 को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। अब फिल्म में सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी आधिकारिक घोषणा की। फिल्म का निर्माण कर रही एसआर प्रोडक्शन्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा गया, "बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।" इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्साहित हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप किस तरह का किरदार निभाने वाले हैं। हालांकि, निर्माताओं ने अभी उनके रोल को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। फिल्म का निर्देशन कार्तिक पेरुमल स्वामी कर रहे हैं। खास बात यह है कि वह इससे पहले चर्चित निर्देशक वेट्रीमारन के साथ बतौर एसोसिएट डायरेक्टर काम कर चुके हैं। फिल्म में ऐश्वर्या राजेश और विक्रांत मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं अभिनेता किशोर भी फिल्म में अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि 'अंडर 18' एक इमोशनल ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें अपराध की दुनिया का ऐसा चेहरा दिखाया जाएगा जो आमतौर पर लोगों की नजरों से दूर रहता है। फिल्म सिर्फ अपराध की कहानी तक सीमित नहीं होगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि किसी एक घटना का असर पूरे परिवार की जिंदगी पर किस तरह पड़ता है। निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी ने इस फिल्म की कहानी के लिए तमिलनाडु में अपराध से जुड़े कई अनजान पहलुओं पर रिसर्च की है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म की शूटिंग तमिलनाडु के कई इलाकों में की जाएगी, जिनमें होसूर, चेंगालपटटू और चेन्नई शामिल हैं।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर फिल्म अल्फा की रिलीज डेट फिर बदली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर फिल्म अल्फा की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। पहले ये फिल्म पिछले साल रिलीज होने वाली थी। बाद में, फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद खबर आई कि इसे 10 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। अब लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक रिलीज डेट फिर से बदल दी गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म अल्फा की रिलीज डेट को एक हफ्ते आगे बढ़ा दिया गया है। अब ये फिल्म 3 जुलाई, 2026 को रिलीज होगी। सूत्र ने बताया कि 3 जुलाई को अल्फा को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए परफेक्ट डेट है क्योंकि धमाल 4, जो उसी दिन रिलीज होने वाली थी अब 17 जुलाई तक पोस्टपोन कर दी गई है। 3 जुलाई को कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए निर्माता आदित्य चोपड़ा को लगा कि अल्फा को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए यह सही तारीख है। अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाए जाने के बारे में बात करते हुए एक ट्रेड एक्सपर्ट ने पोर्टल को बताया कि क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म द ओडिसी भी 17 जुलाई को धमाल 4 के साथ रिलीज हो रही है। इस वजह से अल्फा को अब बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से खुलने के लिए दो सप्ताह का समय मिलेगा, खासकर इसलिए क्योंकि 10 जुलाई को कोई भी बॉलीवुड फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल्फा की रिलीज डेट पहले ही तय कर दी गई है, लेकिन निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की है। अल्फा, वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स के तहत बनी पहली फीमेल लीड फिल्म है। इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम रोल में हैं। खबरों के मुताबिक, ऋतिक रोशन फिल्म में कैमियो कर सकते हैं। यहां तक खबरें थीं कि शाहरुख खान भी अल्फा में पठान के रूप में कैमियो करेंगे, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

आशिकी के हीरो राहुल आज भी करीबी दोस्त और पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं

- दीपक तिजोरी ने कहा- राहुल को लेकर फैल रही अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

मुंबई,(ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता दीपक तिजोरी ने अपने करीबी दोस्त और फिल्म 'आशिकी' के सह-कलाकार राहुल रॉय को लेकर फैल रही अफवाहों पर कहा कि राहुल पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं। उनके बारे में जो चल रही कई खबरें सच्चाई से परे हैं। इसके साथ ही दीपक ने नए होम सिनेमा प्लेटफॉर्म 'किस्सा शुरू टॉकिज' और फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलावों पर भी अपने विचार रखे। राहुल रॉय के बारे में चल रही चर्चाओं पर दीपक ने कहा कि वह नियमित रूप से उनके संपर्क में रहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल रॉय आज भी उनके बेहद करीबी दोस्त हैं और पूरी तरह ठीक हैं। दीपक ने कहा कि कलाकारों के बारे में कई बार ऐसी खबरें चलती हैं, जिनका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं होता। उन्होंने इसे फिल्म इंडस्ट्री की एक सामान्य समस्या बताया। उन्होंने बताया कि 'किस्सा शुरू टॉकिज' से जुड़े संतोष शशिकांत बेराजदार को वह उनके करियर की शुरुआत से जानते हैं। दीपक ने कहा कि मैंने संतोष को लगातार आगे बढ़ते हुए देखा है और हमेशा महसूस किया कि उनके भीतर कुछ नया करने की क्षमता है। दीपक ने बताया कि जब संतोष ने उन्हें इस प्लेटफॉर्म का विचार बताया, तो उन्हें यह काफी प्रभावशाली लगा और उन्होंने तुरंत इससे जुड़ने का फैसला लिया। दीपक ने बताया कि किस्सा शुरू टॉकिज उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है, जो गांवों और दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं। कई क्षेत्रों में लोगों को नई फिल्में देखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। कई बार फिल्में रिलीज होने के महीनों या सालों बाद वहां तक पहुंच पाती हैं। ऐसे में यह प्लेटफॉर्म लोगों को हर शुक्रवार घर बैठे नई फिल्में देखने का अवसर देगा। 99 रुपए के शुल्क और ओटीटी प्लेटफॉर्म से तुलना के सवाल पर दीपक ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म की अवधारणा ओटीटी से अलग है। मेरा मानना है कि यह सीधे फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाने का एक नया माध्यम है। 90 के दशक और वर्तमान समय की फिल्म इंडस्ट्री के बीच अंतर पर बात करते हुए दीपक तिजोरी ने कहा कि पहले सोशल मीडिया का प्रभाव नहीं था। इसलिए किसी फिल्म के फ्लॉप होने या कलाकारों से जुड़ी खबरों को लेकर इतनी चर्चा नहीं होती थी। आज हर व्यक्ति के पास अपनी राय रखने का मंच है, जिसके कारण छोटी-छोटी बातें भी बड़े स्तर पर चर्चा का विषय बन जाती हैं।

सिस्टम बनी हफ्ते की नंबर 1 नॉन-इंग्लिश फिल्म

प्राइम वीडियो की लेटेस्ट ओरिजिनल फिल्म 'सिस्टम' इस हफ्ते दुनियाभर में प्लेटफॉर्म की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन-इंग्लिश ओरिजिनल फिल्म बन गई है। 22 मई को रिलीज हुई इस कोर्टरूम थ्रिलर ने बेहद कम समय में शानदार सफलता हासिल करते हुए 26 देशों में 'टॉप 10' टाइटल्स की लिस्ट में अपनी जगह बना ली है। विशेषाधिकार और रसूख की दुनिया की पृष्ठभूमि पर बनी 'सिस्टम' एक प्रभावशाली कोर्टरूम थ्रिलर है, जो यह दिखाती है कि न्याय सिर्फ अदालत के फैसलों में नहीं, बल्कि सच का सामना करने में भी छिपा होता है। भारत समेत दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम हो रही इस फिल्म को इसकी शानदार कहानी, दमदार किरदारों और इमोशनल स्क्रीनप्ले के लिए खूब सराहा जा रहा है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं, जबकि प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता जैसे कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया है। निखिल मधोक, प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स डायरेक्टर और हेड, ने फिल्म की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 'सिस्टम' की कामयाबी यह साबित करती है कि दर्शक गहरी और भावनात्मक महिला किरदारों वाली मजबूत कहानियों से जुड़ना चाहते हैं।

शहाना ने खोले अपनी लव लाइफ के राज

अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक बयानों के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री शहाना गोस्वामी आजकल अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने अपने जीवन की कुछ निजी बातें साझा कीं। शहाना ने बताया कि फिलहाल वह अभी ओपन रिलेशनशिप में नहीं हैं और उनकी जिंदगी में कोई एक स्थायी या प्राइमरी पार्टनर भी नहीं है। उन्होंने कहा कि हर इंसान अलग तरीके से प्यार करता है और उनके अनुसार रिश्तों को एक तय दायरे में बांधकर नहीं देखा जाना चाहिए। शहाना मानती हैं कि हर व्यक्ति प्यार और संबंधों को अपने तरीके से महसूस करता है, और वहीं रिश्ता सबसे बेहतर होता है जिसमें भरोसे के साथ खुलापन भी हो। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि पारंपरिक रिश्तों की सोच उनके स्वभाव से मेल नहीं खाती, इसलिए उन्होंने अपनी पसंद और कम्फर्ट के मुताबिक जिंदगी जीने का फैसला लिया है। बातचीत के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि पारंपरिक रिश्ते उन्हें हमेशा से ही पसंद नहीं आए क्योंकि उनका मानना है कि जो व्यक्ति प्यार में बंध जाता है वह अपनी आजादी को खो देता है। अपने पिछले रिलेशनशिप्स से उन्होंने यह सीख लिया था कि कोई भी रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक पाता है, इसलिए उन्होंने अपनी मानसिक शांति के लिए ओपन रिलेशनशिप का रास्ता चुना।

'नागाबंधम' का नया पोस्टर रिलीज

फिल्म 'नागाबंधम' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट बनी हुई है, और यह साल 2026 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। शानदार स्टारकास्ट और दमदार विजुअल प्रेजेंटेशन के चलते फिल्म लगातार लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। एक के बाद एक दमदार कैरेक्टर पोस्टर्स रिलीज करने के बाद, अब मेकर्स ने फिल्म का नया इंटेंस पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में विराट कर्ण, ऋषभ साहनी, नाभा नतेश और जगपति बाबू सहित पूरी स्टारकास्ट एक ही पावरफुल फ्रेम में नजर आ रही है। पोस्टर का डार्क और रहस्यमयी अंदाज़ फिल्म की कहानी को लेकर सस्पेंस और बढ़ा रहा है। नए पोस्टर को देखकर साफ महसूस होता है कि फिल्म का हर किरदार अपने अंदर कोई गहरी कहानी और रहस्य छिपाए हुए है। पोस्टर में सभी कलाकारों का इंटेंस लुक दर्शकों को फिल्म की दुनिया के और करीब ले जाता है। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "जब हर चेहरा एक कहानी छिपाए हर साया एक राज़ की रखवाली करे। मेकर्स ने साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी कन्फर्म की है कि फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिल्म के गानों नमो रे और सुरा सुरा को भी दर्शकों से जबरदस्त प्यार मिला है, और हाल ही में रिलीज हुए टीज़र ने भी एक्साइटमेंट को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

'बंदर' का नया गाना 'पिंजरा' रिलीज

बॉबी देओल अभिनीत फिल्म 'बंदर' हर नए अपडेट के साथ दर्शकों के बीच और ज्यादा चर्चा बटोर रही है। पहले फिल्म के धमाकेदार टीज़र ने अपने रॉ इमोशंस और डरावने माहौल से लोगों को चौंकाया था, फिर हाल ही में रिलीज हुआ ट्रैक 'क्यूँ मज़ा आ रहा है' सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अब मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'पिंजरा' रिलीज कर दिया है, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट को अगले लेवल पर पहुंचा दिया है। 'पिंजरा' को अमित त्रिवेदी ने कंपोज़ किया है और अपनी आवाज़ भी दी है, वहीं इसके दमदार और सीधे दिल पर असर करने वाले बोल सुदीप शर्मा ने लिखे हैं। गाने में एक तरफ जोश और एनर्जी दिखाई देती है तो दूसरी तरफ इसका डार्क और बेचैन कर देने वाला माहौल दर्शकों को अंदर तक हिला देता है। गाने में बॉबी देओल और राज बी. शेट्टी नजर आ रहे हैं। वीडियो में जेल के अंदर एक जश्न का माहौल दिखाया गया है, जहाँ राज बी. शेट्टी अपने जबरदस्त डांस मूव्स से पूरी महफिल लूटते दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बॉबी देओल की जिंदगी में चल रही उथल-पुथल और मानसिक संघर्ष को बेहद डार्क अंदाज़ में दिखाया गया है। 'पिंजरा' के विजुअल्स बॉबी देओल के किरदार की उलझी हुई और जुनून से भरी जिंदगी को दिखाते हैं। वीडियो में वह वासना, जुनून और इमोशनल कन्फ्यूजन के भंवर में फंसे नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित दमण यात्रा को लेकर भाजपा ने ग्राम पंचायतों में चलाया जनसंवाद अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित 5 जून 2026 की दमण यात्रा की पूर्व तैयारियों के दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव प्रदेश भाजपा द्वारा दमण जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया गया। दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इन जनसंवाद कार्यक्रमों में भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत पटेल एवं प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया की विशेष उपस्थिति रही। प्रथम जनसंवाद कार्यक्रम दमणवाड़ा ग्राम पंचायत स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल, सरपंच कल्पना हलपति, भाविक हलपति, जिला पंचायत सदस्य मुकेश गोसावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नागरिकों को प्रधानमंत्री के स्वागत कार्यक्रम में सहभागी बनने हेतु आमंत्रित किया गया। द्वितीय जनसंवाद कार्यक्रम दुनेठा ग्राम पंचायत में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दुनेठा की सरपंच आशा पटेल, युवा नेता संजय पटेल तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।तृतीय जनसंवाद कार्यक्रम दाभेल ग्राम पंचायत में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दाभेल की सरपंच हेमाक्षी पटेल, ग्राम पंचायत के उपसरपंच, सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी जनसंवाद कार्यक्रमों में उपस्थित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने का संकल्प व्यक्त किया।

पीएम मोदी के भव्य स्वागत और अभिवादन के लिए दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने मोटी दमण विस्तार में नुक्कड़ बैठक का किया शुभारंभ: नागरिकों को दिया आमंत्रण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दमण प्रस्तावित दौरे को लेकर उनके स्वागत और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने मोटी दमण विस्तार में नुक्कड़ बैठकों का शुभारंभ किया। पूर्व सांसद लालू पटेल ने आज पटलारा ग्राम पंचायत एवं उसके आसपास के गांवों में नुक्कड़ बैठकें करके नागरिकों को पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने और उनका अभिवादन करने के लिए आमंत्रित किया। पूर्व सांसद लालू पटेल ने नागरिकों से कहा कि पीएम मोदी ने प्रदेश के लिए कई सौगातें दी है और अनेक महत्वपूर्ण सौगात देने के लिए एक बार फिर दमण के दौरे पर आ रहे हैं। आप सभी लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पीएम मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाएं और प्रदेश को मिली सौगातो के लिए उनका अभिवादन करें। पटलारा मिटनावाड और हलपतिवास में आयोजित इन बैठकों में पटलारा सरपंच विजय पटेल भी पूर्व सांसद लालू पटेल के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने भी नागरिकों को बडी संख्या में उपस्थित रहने के लिए आग्रह किया। नुक्कड़ बैठक में उपस्थित नागरिकों ने पूर्व सांसद लालू पटेल और सरपंच विजय पटेल को आश्वासन दिया कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर पीएम मोदी का अभिवादन करेंगे और प्रदेश को कई सौगातें देने के लिए उनका आभार भी जताएंगे।

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने फिश मार्केट में बैठककर पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागरिकों को दिया आमंत्रण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल ने आज नानी दमण स्थित फिश मार्केट में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य आगामी 5 जून 2026 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी की प्रस्तावित दमण यात्रा के अवसर पर स्थानीय नागरिकों, विशेषकर बहनों को उनके कार्यक्रम में आमंत्रित करना था। दीपिका टंडेल ने उपस्थित सभी बहनों को भावपूर्ण निमंत्रण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का आगमन दमण के लिए गौरव का क्षण होगा और इस अवसर पर प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने आग्रह किया कि सभी बहनें और नागरिक इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर प्रधानमंत्री जी का स्वागत करें। इस अवसर पर नगरपालिका की काउंसिलर रश्मि हलपति, फिरदोस बानो, नीला राणा, कपिला ओड और प्रवीणा राणा भी उपस्थित रहीं। बैठक में बड़ी संख्या में बहनों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री जी के स्वागत हेतु उत्साह और प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक का वातावरण उत्साहपूर्ण और आत्मीय रहा। उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री जी के स्वागत समारोह को सफल बनाने के लिए सहयोग का संकल्प लिया। इस प्रकार दमण नगरपालिका की अध्यक्ष द्वारा आयोजित यह सार्वजनिक बैठक स्थानीय समाज में नई ऊर्जा और एकता का संदेश लेकर आई, जो आगामी कार्यक्रम की सफलता का आधार बनेगी।

पीएम मोदी की 5 जून की यात्रा एवं प्रोजेक्टों की जानकारी देने वाली डिजिटल स्क्रीन वाली गाडी मरवड ग्राम पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची

■ मरवड ग्राम पंचायत सरपंच रमेश (सोमा) पटेल ने डिजिटल स्क्रीन गाडी के साथ ग्रामजनों को जानकारी देते हुए 5 जून पीएम मोदी के कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए दिया आमंत्रण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 जून को होने वाले दमण दौरे एवं प्रोजेक्टों की जानकारी को डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से दमण जिले के गांवों एवं शहरों में दिया जा रहा है। आज यह डिजिटल स्क्रीन वैन मरवड ग्रुप ग्राम पंचायत में पहुंची थी। मरवड ग्राम पंचायत सरपंच रमेश (सोमा) पटेल ने विभिन्न क्षेत्रों में ग्रामजनों के साथ डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से दी जा रही जानकारी को निहारा। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामजनों को बडी संख्या में 5 जून के कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए आह्वान किया।

पीएम मोदी की दमण यात्रा को लेकर डीएमसी की टीम द्वारा विभिन्न वॉर्डों में शुरू हुआ सफाई अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 जून। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 जून को दमण दौरे को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन प्रोजेक्टों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने वाले हैं उसमें ज्यादातर प्रोजेक्ट दमण शहर में ही है। ऐसे में दमण म्युनिसिपल काउंसिल की टीम इसे लेकर काफी उत्साहित है। डीएमसी ने सभी वॉर्डों में पीएम मोदी की यात्रा से पहले सफाई अभियान शुरू किया है। आज पहले चरण में डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने वॉर्ड नं. 8 फिश मार्केट में, वॉर्ड नं. 14 के काउंसिलर पीयूष पटेल अपने वॉर्ड के हलपतिवास क्षेत्र और वॉर्ड नं. 15 की काउंसिलर फिरदोस बानु ने अपने वॉर्ड में आज सफाई

अभियान चलाया। डीएमसी का यह अभियान 5 जून तक चलने वाला है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सबसे पहला अभियान स्वच्छता अभियान था। डीएमसी की टीम उसी आह्वान पर उनके स्वागत के उपलक्ष्य में लगातार सफाई अभियान चलाने वाली है।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)